Seventeenth Loksabha

span>

Title: Regarding better railway connectivity to Balaghat and Seoni districts in Madhya Pradesh- Laid.

डॉ. ढालसिंह बिसेन (बालाघाट): मेरे संसदीय क्षेत्र बालाघाट में बालाघाट और सिवनी जिले आते हैं। आमान परिवर्तन के बाद केवल छोटी दूरी की गाड़ी चलाई जा रही है। चिकित्सा शिक्षा एवं व्यापार के लिए जबलपुर, नागपुर, रायपुर तथा बिलासपुर सहित राजधानी भोपाल, दिल्ली जाने के लिए कोई सीधी रेल सुविधा नहीं है और नैनपुर-सिवनी-छिंदवाड़ा के बीच सी. आर. एस. के बाद भी रेल नहीं चलाये जाने से यात्रियों को काफी परेशानियां उठानी पड़ रही है। जबलपुर-नैनपुर-सिवनी-छिंदवाड़ा होकर नागपुर/आमला और जबलपुर-नैनपुर-गोंदिया होकर नागपुर / बल्लारशाह के रास्ते दक्षिण के लिए रायपुर- बिलासपुर के लिए लंबी दूरी की यात्री गाड़ी चलाई जाये जो उत्तर दक्षिण भारत को जोड़ने वाला कम दूरी का सीधा मार्ग होंगा।

इन रेलमार्गों की उपयोगिता इससे सिद्ध हो रही है कि ब्रॉडगेज कन्वर्जन के बाद से ही इन रूटों पर मालगाड़ियों का परिचालन प्रारंभ हो चुका है। बालाघाट से जबलपुर एवं गोंदिया की ओर 20 से अधिक मालगाड़ियां एवं सिवनी में लगातार रैक लग रही है, जिससे रेलवे को आय प्राप्त होने लगी है।

वर्तमान में यह रेलमार्ग सिंगल लाईन हैं। भविष्य में मालगाड़ी एवं सवारी गाड़ियों की संख्या बढ़ने से इन रूटों पर दोहरीकरण की आवश्यकता महसूस होने लगी है। इसलिए अनुरोध है कि जबलपुर-गोंदिया- नागभीर जंक्शन एवं नैनपुर से छिंदवाड़ा एवं छिंदवाड़ा-नागपुर/आमला जंक्शन सिंगल लाईन का दोहरीकरण किया जाये।